Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Need to reduce the price of petrol and diesel in the country-laid.

श्री मलूक नागर (बिजनौर): दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस की वजह से सेंसेक्स गिरा है, जो 1991 में गल्फ वार के बाद सबसे बड़ी गिरावट बताई जा रही है । इससे हमारे देश का बिजनेस मैन बहुत परेशान है, इन्हें बचाने के लिए अमरीका के राष्ट्रपति ने आगे आकर बयान दिया है कि यूएस के व्यापारी को डरने की जरूरत नहीं है, सरकार इसे कोम्पेनसेट करेगी व इटली की सरकार ने भी सरकारी देनदारियों को अभी बाद के लिए पोस्टपोंड कर दिया है व भरोसा दिलाया है कि इस प्राकृतिक आपदा की वजह से डिस्टर्ब हुए व्यापार के बारे में सोचेगी व इटली की सरकार ने भी ऐसा किया है । ऐसे में भारत सरकार अपने देश के व्यापारियों के बारे में क्या सोच रही है? अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में लगभग 34% की गिरावट दर्ज की गई है लेकिन देश के आम लोगों व किसानों के हित में डीजल व पेट्रोल के दाम कम नहीं किए गए हैं । जब कच्चे तेल का दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ता है तो हमारे यहां भी तुरंत डीजल व पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए जाते हैं । इंडियन ऑयल जैसे अन्य सभी सरकारी उपक्रम जो सिर्फ लाभ उठाने के लिए नहीं बल्कि नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं, को डीजल व पेट्रोल के दामों को आनुपातिक तौर पर हिस्से के अनुसार रेट कम करने चाहिए ।